जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड
(जन–सम्पर्क अनुभाग)
(प्रेस विज्ञप्ति)

विद्युत छीजत कम करने की कार्ययोजना पर कार्यशाला का आयोजन
सर्वाधिक छीजत वाले क्षेत्रों के अधिशाषी अभियन्ताओं को कार्ययोजना के अनुसार छीजत कम करने के निर्देश

जयपुर, 07 दिसम्बर। प्रमुख शासन सचिव ऊर्जा एवं अध्यक्ष डिस्कॉम्स श्री कुंजीलाल मीणा की अध्यक्षता में तीनों डिस्काम्स में अधिक छीजत वाले क्षेत्रों के अधिशाषी अभियन्ताओं की शनिवार को विद्युत भवन में कार्यशाला आयोजित हुई। कार्यशाला में छीजत बढने के कारण एवं छीजत को कम करने की कार्य योजना के बारे में विस्तार से चर्चा करते हुए आगामी 4 माह में छीजत कम करने के लक्ष्य निर्धारित किए गए। कार्यशाला में जयपुर डिस्कॉम के प्रबन्ध निदेशक श्री ए.के. गुप्ता, तीनो डिस्कॉम्स के निदेशक तकनीकी व वित्त, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सतर्कता, मुख्य लेखाधिकारी व तीनों डिस्काम्स के 61 अधिशाषी अभियन्ता उपस्थित रहे।

प्रमुख शासन सचिव ऊर्जा एवं अध्यक्ष डिस्कॉम्स श्री कुंजीलाल मीणा ने डिस्कॉम वार अधिक छीजत वाले क्षेत्रों के अधिशाषी अभियन्ताओं से एक–एक कर छीजत बढने के कारणों के बारे में जानकारी प्राप्त की और आगामी चार माह में छीजत कम करने के लक्ष्य निर्धारित किए गए। अधिशाषी अभियन्ताओं ने माहवार दिसम्बर से मार्च तक के छीजत कम करने के लक्ष्यों के बारे में जानकारी दी। श्री मीणा ने कहा कि आगामी 11 जनवरी, 2020 को इस तरह की बैठक का आयोजन किया जाएगा और लक्ष्य के अनुसार छीजत कम नही करने वाले अभियन्ताओं के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी। कार्यशाला में प्रत्येक डिस्कॉम से एक–एक सबसे अच्छा कार्य करने वाले अधिशाषी अभियन्ता को भी बुलाया गया और उनके द्वारा छीजत कम करने के लिए गए कार्यों के बारे में बताया गया। इसमें जयपुर डिस्कॉम में निवाई डिवीजन, अजमेर में ब्यावर व जोधपुर डिस्कॉम में रानीवाड़ा डिवीजन के अधिशाषी अभियन्ताओं ने छीजत कम करने के लिए किए गए कार्यों के बारें में जानकारी दी।

श्री मीणा ने निर्देश दिए कि सभी उपभोक्ताओं के मीटर ठीक होने चाहिए और खराब मीटरों को तुरन्त बदलने की कार्यवाही की जाए। उन्होंने कहा कि सर्वाधिक छीजत वाले 5 फीडरों पर अधिशाषी अभियन्ता नोडल अधिकारी बनेगें। इसी तरह 5 पर सहायक अभियन्ता और 5 पर ही कनिष्ठ अभियन्ता इंचार्ज बनगें। सभी नोडल अधिकारी उस फीडर का पूरा विवरण तैयार कर रखेगें। इसमें कनेक्शन की संख्या, मीटर खराब की संख्या, बकाया राशि, पीडीसी उपभोक्ता की संख्या, छीजत की स्थिति आदि। फीडर के अनुसार विवरण होने से छीजत कम करने व बकाया राजस्व वसूली का कार्य प्रभावी तरीके से किया जा सकेगा।

जयपुर डिस्कॉम में सर्वाधिक छीजत वाले कामां, बाड़ी, डीग, महुआ व भरतपुर डिवीजन, जोधपुर डिस्कॉम में सादुलपुर, बिलाड़ा, मथानिया, अनूपगढ व फलौदी डिवीजन, अजमेर डिस्कॉम में नागौर, लाडनू, डीडवाना, मकराना व मेड़तासिटी डिवीजन के अधिशाषी अभियन्ताओं को ताकीद किया गया कि वे छीजत कम करने के लिए प्रभावी कार्यवाही करें तथा जो अभियन्ता कार्य में लापरवाही बरतेगा तथा निर्धारित लक्ष्य के अनुसार छीजत कम करने की कार्यवाही नही करेगा उसके विरुद्ध सख्त कार्यवाही की जाएगी।

जयपुर डिस्कॉम के प्रबन्ध निदेशक श्री ए.के.गुप्ता ने अधिशाषी अभियन्ताओं को निर्देश दिए कि छीजत को 15 प्रतिशत के स्तर पर लाने के लिए यूनिट के अनुसार दिए गए लक्ष्य के अनुसार कार्य करे व पीडीसी उपभोक्ताओं से 50 हजार रुपए से अधिक बकाया राशि की वसूली के लिए इयूडीआर के नोटिस दिए जाए। इसके साथ ही पीडीसी उपभोक्ताओं की चैकिंग भी करवाएं तथा डिस्कॉम द्वारा लागू की गई स्वैच्छिक भार वृद्धि योजना, एमनेस्टी योजना व कृषि कनेक्शन की बकाया राशि की वसूली की सरलीकृत योजना के बारे में उपभोक्ताओं को जानकारी दें।

————————

प्रेस विज्ञप्ति संख्या– 945/2019